



Mr. Kapil



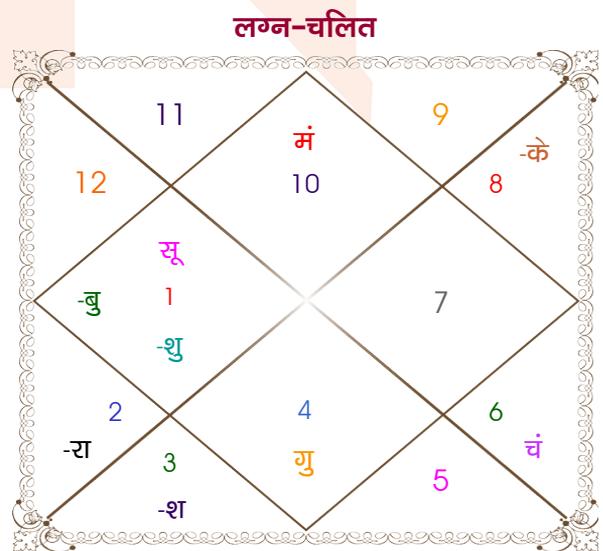
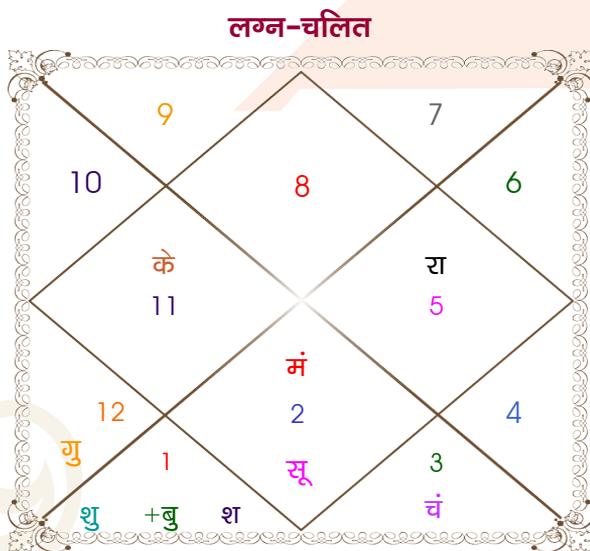
Girl Kapil

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121109202

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 28/05/1998 : _____ जन्म तिथि _____ : 13-14/05/2003
 गुरुवार : _____ दिन _____ : मंगल-बुधवार
 घंटे 18:30:00 : _____ जन्म समय _____ : 00:58:00 घंटे
 घटी 32:42:57 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 48:35:23 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Tappal : _____ स्थान _____ : Aligarh
 28:02:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 27:54:00 उत्तर
 77:34:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 78:04:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:19:44 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:17:44 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:24:49 : _____ सूर्योदय _____ : 05:30:04
 19:08:51 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:58:29
 23:49:57 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:53:58

विंशोत्तरी राहु 0वर्ष 7मा 5दि शनि 01/01/2015 01/01/2034		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी मंगल 5वर्ष 9मा 20दि राहु 03/03/2009 04/03/2027	
शनि	04/01/2018	05:36:42	वृश्चि	लग्न	मक	27:02:01	राहु	14/11/2011
बुध	13/09/2020	13:10:20	वृष	सूर्य	मेष	28:43:33	गुरु	09/04/2014
केतु	23/10/2021	19:33:28	मिथु	चंद्र	कन्या	25:36:26	शनि	13/02/2017
शुक्र	23/12/2024	09:17:03	वृष	मंगल	मक	18:50:22	बुध	02/09/2019
सूर्य	05/12/2025	28:38:41	मेष	बुध व	मेष	18:44:57	केतु	20/09/2020
चन्द्र	06/07/2027	00:22:39	मीन	गुरु	कर्क	16:29:42	शुक्र	21/09/2023
मंगल	14/08/2028	04:29:42	मेष	शुक्र	मेष	02:53:32	सूर्य	14/08/2024
राहु	21/06/2031	04:57:08	मेष	शनि	मिथु	03:31:22	चन्द्र	13/02/2026
गुरु	01/01/2034	11:50:51	सिंह व	राहु व	वृष	05:34:08	मंगल	04/03/2027
		11:50:51	कुंभ व	केतु व	वृश्चि	05:34:08		
		18:51:43	मक व	हर्ष	कुंभ	08:40:37		
		08:10:40	मक व	नेप	मक	19:17:07		
		12:51:12	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	25:23:32		



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	श्वान	व्याघ्र	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. Kapil का वर्ग सिंह है तथा Girl Kapil का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. Kapil और Girl Kapil का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. Kapil मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम भाव में स्थित है।

**अजे लगने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते ।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते ॥**

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Mr. Kapil कि कुण्डली में सप्तम भाव में वृष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Girl Kapil मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुण्डली में सप्तम भाव में कर्क राशि तथा लग्न में मकर राशि का मंगल हो तब मंगली दोष समाप्त समझना चाहिए।

क्योंकि मंगल Girl Kapil कि कुण्डली में प्रथम भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ॥**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Girl Kapil कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Girl Kapil कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr. Kapil कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. Kapil तथा Girl Kapil में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।